Date :
Page No. :

पाठ-5

उपसर्ग– जो शब्दांश मूल शब्द के प्रारंभ में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। जैसे- सु + पुत्र = सुपुत्र, बे + ईमान = बेईमान आदि।

हिंदी में तीन प्रकार के उपसर्ग हैं -(क) तत्सम (संस्कृत) उपसर्ग (ख) तद्भव (हिन्दी) उपसर्ग (ग) आगत उपसर्ग।

ध्यान रहे उपसर्गों का स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं होता।

(क) तत्सम (संस्कृत) उपसर्ग

अधि – अधिग्रहण, अधिवक्ता, अध्यक्ष

अनु - अनुचर, अनुभव, अनुशासन

आप - अपयश, अपमान, अपशब्द

आ - आजीवन, आमरण, आनंद

(ख) तद्भव (हिन्दी) उपसर्ग

अ – अजान, अमोल, अचेत

अन - अनपढ़, अनहोनी

उन - उनतीस, उनसठ

नि - निकम्मा, निडर, निठल्ला

(ग) आगत उपसर्ग

कम - कमजोर, कमअक्ल, कमउम्र

बद - बदनाम, बदहाल, बदचलन

ला - लाइलाज, लाजवाब, लापता

हर - हररोज़, हरतरफ, हरउम्र

Date :
Page No. :

, 2020 दिन - सोमवार

पाठ - 5

प्रत्यय - जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में लगकर नए शब्द बनाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। जैसे - बंगाल + ई = बंगाली, सुंदर + ता = सुंदरता आदि
प्रत्यय के दो प्रकार होते हैं —

(1) कृत् प्रत्यय :- जो प्रत्यय धातु (क्रिया) के मूल रूप में जुड़कर संज्ञा, विशेषण आदि शब्द बनाते हैं, उन्हें कृत् प्रत्यय कहते हैं।
आई = लड़ + आई = लड़ाई
आन - उड़ + आन - उड़ान
आक - तैर + आक - तैराक
आप - मिल + आप - मिलाप
आव - चुन + आव - चुनाव
आवट - सज + आवट - सजावट
नी - शैर + नी - शैरनी

(2) तद्धित प्रत्यय :- संज्ञा, सर्वनाम आदि शब्दों के पीछे लगकर जो प्रत्यय शब्द बनाते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।
आर - लोहा + आर = लुहार
इया - डिब्बा + इया = डिबिया
ई - घंटा + ई - घंटी
एरा - साँप + एरा - संपेरा
ता - मानव + ता = मानवता
दार - दुकान + दार - दुकानदार
पन - लड़का + पन - लड़कपन
वान - गाड़ी + वान - गाड़ीवान